नेतन्ना बीमा योजना

सन्दर्भ

हाल ही में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर नेतन्ना बीमा योजना शुरू की और बुनकरों को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

• यह देश में बुनकरों के लिए अपनी तरह की अनूठी योजना है और इस बीमा योजना से लगभग 80,000 बुनकरों के परिवार लाभान्वित होंगे।
• यह योजना पात्र लाभार्थी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के मामले में बुनकरों के परिवारों को ₹5 लाख का बीमा कवर प्रदान करेगी।
• यह हथकरघा और पावरलूम बुनकर परिवारों को आर्थिक आश्वासन प्रदान करेगा।
• इस योजना के तहत, तेलंगाना सरकार ने 'नेथना बीमा' योजना के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ हाथ मिलाया है और राज्य के हथकरघा और वस्त्र विभाग को इसके कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी करार दिया है।
• लाभार्थियों के वार्षिक प्रीमियम का भुगतान सरकार द्वारा उनकी ओर से एलआईसी को किया जाएगा।

ATAGS (उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम)

सन्दर्भ

लाल किले में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्वदेशी रूप से विकसित होवित्जर तोप, ATAG, 21 तोपों की सलामी का हिस्सा बनी।

मुख्य विचार

• ATAGS एक स्वदेशी 155 मिमी x 52 कैलिबर की हॉवित्जर तोप है जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित किया गया है, इसकी पुणे स्थित सुविधा आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (ARDE) नोडल एजेंसी है।
• हॉवित्जर लंबी दूरी की तोपों की श्रेणी के लिए एक शब्द है।
• लंबे समय तक रखरखाव मुक्त और विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित करने के लिए ATAGS को सभी इलेक्ट्रिक ड्राइव के साथ कॉन्फ़िगर किया गया है।
• इसमें उच्च गतिशीलता, त्वरित तैनाती, सहायक पावर मोड, उन्नत संचार प्रणाली, रात में सीधे फायर मोड में फायरिंग क्षमता के साथ स्वचालित कमांड और नियंत्रण प्रणाली के मामले में उन्नत विशेषताएं हैं।
• पोखरण में सितंबर 2017 के परीक्षण के दौरान, 38.5 किमी और 48 किमी की अधिकतम रेंज, बोट टेल और विस्तारित रेंज पूर्ण बोर प्रकार के प्रोजेक्टाइल के साथ हासिल की गई थी।

21 तोपों की सलामी परंपरा

• तोपों की सलामी की परंपरा पश्चिमी नौसेनाओं से शुरू होती है जहां बंदरगाहों से और आने वाले जहाजों से बंदूकें एक विशेष तरीके से चलाई जाती थीं ताकि यह बताया जा सके कि इनका कोई युद्ध का इरादा नहीं था।
• इस परंपरा को सम्मान देने या ताज, राजघरानों, सैन्य कमांडरों और राज्यों के प्रमुखों के आधिकारिक स्वागत के लिए आगे जारी रखा गया था।
• भारत को यह परंपरा ब्रिटिश शासकों से विरासत में मिली, जिनके पास 101 फायर ,31 फायर और 21 फायर सहित बंदूक की सलामी थी, और यह पदानुक्रम पर निर्भर करता था।
• भारत में, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और अन्य अवसरों के साथ-साथ राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह के समय भी तोपखाने की सलामी दी जाती है।

सिविल सेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता ज्ञापन

सन्दर्भ

माइक्रोसॉफ्ट और भारत सरकार कंपनी के डिजिटल उपकरणों के समूह का उपयोग करने में लगभग 25 लाख सिविल सेवकों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यक्रम के लिए सहयोग करेंगे।

मुख्य बिंदु

• तकनीकी दिग्गज, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) और क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के बीच साझेदारी का उद्देश्य वंचितों की मदद करने में सिविल सेवकों की मदद करना है।
• यह उन्हें अंतिम छोर तक सामाजिक कल्याण सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।
• यह उनकी क्षमताओं को बढ़ाएगा और उन्हें और अधिक प्रभावी बनाने की अनुमति देगा।
• सहयोग के हिस्से के रूप में, कंपनी एमएसडीई के लिए माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 365 डिजिटल उत्पादकता सूट प्रसाद पर एक ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करेगी।
• यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के कर्मचारियों को प्रमुख डिजिटल कौशल पर सशक्त करेगा और डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण को बढ़ाएगा।
• यह पहल न केवल अधिक उत्पादकता को बढ़ावा देगी बल्कि अधिक डिजिटल समाधानों के साथ व्यापार करने में आसानी को भी सक्षम बनाएगी।
• प्रमुख मुद्दे: सिविल सेवकों के बीच एक प्रमुख योग्यता अंतराल की पहचान की गई थी, जो वर्ड, एक्सेल और पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन जैसे माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस टूल्स पर काम करते समय आवश्यक डिजिटल उत्पादकता अनुप्रयोग कौशल की कमी थी।

11 और आर्द्रभूमि

संदर्भ

भारत ने देश में 13 लाख 26 हजार 677 हेक्टेयर के क्षेत्र को कवर करने वाले कुल 75 रामसर स्थलों को बनाने के लिए रामसर स्थलों की सूची में 11 और आर्द्रभूमि जोड़े हैं।

मुख्य बिंदु

• पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने कहा, 11 नए स्थलों में शामिल हैं, तमिलनाडु में चार, ओडिशा में तीन, जम्मू और कश्मीर में दो और मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एक-एक स्थल शामिल हैं।

11 आर्द्रभूमि हैं: -

ओडिशा में ताम्पारा झील; ओडिशा में हीराकुंड जलाशय; और ओडिशा में अंसुपा झील;
यशवंत सागर मध्य प्रदेश में;
तमिलनाडु में चित्रंगुडी पक्षी अभयारण्य;
तमिलनाडु में सुचिन्द्रम थेरूर वेटलैंड कॉम्प्लेक्स; और तमिलनाडु में वडुवुर पक्षी अभयारण्य;
तमिलनाडु में कांजीरंकुलम पक्षी अभयारण्य;
महाराष्ट्र में ठाणे क्रीक;
जम्मू और कश्मीर में हाइगम वेटलैंड कंजर्वेशन रिजर्व; और जम्मू और कश्मीर में शालबग वेटलैंड कंजर्वेशन रिजर्व।

• इन स्थलों को नामित करने से आर्द्रभूमियों के संरक्षण और प्रबंधन और उनके संसाधनों के बेहतर उपयोग में मदद मिलेगी।
• भारत रामसर कन्वेंशन के अनुबंधित पक्षों में से एक है, जिस पर 1971 में ईरान के रामसर में हस्ताक्षर किए गए थे।
• भारत ने 1 फरवरी 1982 को इस पर हस्ताक्षर किए। 1982 से 2013 के दौरान, रामसर साइटों की सूची में कुल 26 साइटों को जोड़ा गया था, हालांकि, 2014 से 2022 के दौरान, देश ने रामसर साइटों की सूची में 49 नए आर्द्रभूमि जोड़े हैं।
• तमिलनाडु में रामसर स्थलों की अधिकतम संख्या 14 है, इसके बाद उत्तर प्रदेश में रामसर स्थलों की संख्या 10 है।

राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन

सन्दर्भ

हाल ही में राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) ने 10 लाख छात्रों को बौद्धिक संपदा (आईपी) जागरूकता और बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य हासिल किया है।

मुख्य बिंदु

• इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा (कक्षा 8 से 12) के छात्रों में रचनात्मकता और नवाचार की भावना पैदा करना और कॉलेज/विश्वविद्यालयों के छात्रों को उनकी रचनाओं को नया करने और उनकी रक्षा करने के लिए प्रेरित करना और प्रेरित करना है।
• 08 दिसंबर 2021 से 31 जुलाई 2022 की अवधि के दौरान हासिल किए गए लक्ष्य: आईपी पर प्रशिक्षित प्रतिभागियों (छात्रों/संकाय) की संख्या = 10, 05, 272
कवर किए गए शैक्षणिक संस्थान = 3662 , भौगोलिक कवरेज = 28 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश हैं

• कार्यान्वयन एजेंसी: कार्यक्रम बौद्धिक संपदा कार्यालय, पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के कार्यालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।
• बौद्धिक संपदा अधिकार: ये व्यक्तियों को उनके दिमाग के निर्माण, आविष्कारों, साहित्यिक और कलात्मक कार्यों, और प्रतीकों, नामों और वाणिज्य में उपयोग की जाने वाली छवियों पर दिए गए अधिकार हैं।
• वे आम तौर पर निर्माता को एक निश्चित अवधि के लिए उसकी रचना के उपयोग पर एक विशेष अधिकार देते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण खबरें

डाक पहचान संख्या (पिन) कोड का इतिहास

सन्दर्भ

75 वां स्वतंत्रता दिवस देश के इतिहास में एक और मील का पत्थर रहा , यह 15 अगस्त, 1972 को था, जब भारत में पिन सिस्टम की शुरुवात की गयी थी।

पिन कोड कैसे काम करता है?

• पिन छह अंकों का बना होता है।
• पहला अंक डाक क्षेत्र को दर्शाता है - उत्तरी, पूर्वी, पश्चिमी, दक्षिणी; और नंबर 9, जो आर्मी पोस्टल सर्विस को दर्शाता है।
• दूसरी संख्या उप-क्षेत्र को दर्शाती है, और तीसरी संख्या सॉर्टिंग जिले को दर्शाती है।

• शेष संख्याएँ भौगोलिक स्थिति को और अधिक संकीर्ण कर डिलीवरी करने वाले विशिष्ट डाकघर तक सीमित कर देती हैं।
• इस पहल के पीछे श्रीराम भीकाजी वेलंकर थे।

विश्व संस्कृत दिवस

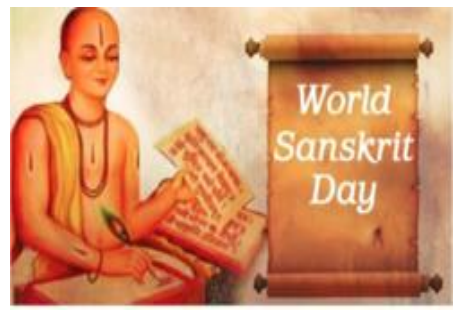

सन्दर्भ

प्रधान मंत्री ने विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं और संस्कृत में लोगों के साथ अपनी शुभकामनाएं साझा कीं।

मुख्य बिंदु

• यह श्रावणपूर्णिमा को मनाया जाता है, जो हिंदू कैलेंडर में श्रावण महीने की पूर्णिमा का दिन है। साल 2022 में यह दिन 12 अगस्त को मनाया गया था। इस दिन का मुख्य उद्देश्य सभी भाषाओं की जननी को प्रोत्साहित करना है।
• भाषा को जगाने और सीखने से इसका परिणाम अगली पीढ़ी के लिए भाषा को नया रूप देने में हो सकता है। चूंकि इसमें सबसे बड़ी शब्दावली है, यह प्राचीन भारतीय भाषा की समृद्ध संस्कृति को दर्शाता है।

आईएमडी, जापान और यूएनडीपी जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने के लिए शामिल हुए

सन्दर्भ

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD), जापान सरकार और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने देश भर के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक नई पहल की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु

• यह परियोजना 2022-23 के दौरान बिहार, दिल्ली-एनसीआर, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, सिक्किम, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में शुरू की जाएगी।
• नवंबर 2021 में ग्लासगो में COP26 शिखर सम्मेलन में, भारत ने वचन दिया था कि:
2030 तक देश के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में 1 बिलियन टन की कटौती;
2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता स्थापित करना;
दशक के अंत तक कार्बन की तीव्रता को 45% तक काम करना ,
और 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करना।

संयुक्त आईएमडी-यूएनडीपी पहल:

• इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) में आईएमडी के साथ साझेदारी में शुरू किया जाएगा।
• यूएनडीपी, जलवायु लचीलापन को बढ़ावा देने के लिए आईएमडी और जलवायु शमन को बढ़ावा देने के लिए एमएनआरई के साथ काम करेगा। परिवहन, स्वास्थ्य, एमएसएमई और कृषि सहित प्रमुख क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना और कम उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों को तैनात किया जाएगा।
• इसमें 10 राज्यों में 150 स्वास्थ्य सुविधाओं, 20 सूक्ष्म उद्यमों, और 85 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों और 30 सौर शीत भंडारण प्रणालियों को स्थापित करना शामिल है।
लचीली जलवायु योजना
• 30 ग्राम पंचायतों के लिए जलवायु सूचना प्रवाह प्रणाली के माध्यम से जमीनी स्तर पर लचीला जलवायु नियोजन का प्रदर्शन किया जाएगा। इस पहल में 2,000 से अधिक लोगों को कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करके अक्षय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में हरित रोजगार और हरित उद्यमिता के सृजन की भी परिकल्पना की गई है।
• इस परियोजना से न केवल जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में लाभ होने की उम्मीद है, बल्कि भारत में सतत विकास के लिए विभिन्न अभिनेताओं को भी प्रभावित करेगा।

दुनिया का सबसे ऊंचा सिंगल आर्च रेलवे ब्रिज

सन्दर्भ

जम्मू और कश्मीर में, रियासी जिले के कौरी क्षेत्र में चिनाब नदी पर दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल ने हाल ही में एक और मील का पत्थर हासिल किया जब पुल के ऊपरी डेक को एक सुनहरे जोड़ के साथ पूरा किया गया।

मुख्य बिंदु

• गोल्डन ज्वाइंट अब इंजीनियरों के लिए पुल पर ट्रैक बिछाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।
• इस पर पटरियों के साथ, कश्मीर आजादी के बाद पहली बार रेल नेटवर्क के माध्यम से शेष भारत से जुड़ा होगा। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च है।
• पुल एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है।

डिजीयात्रा

सन्दर्भ

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने हाल ही में केंद्र की डिजीयात्रा पहल के सॉफ्ट लॉन्च की घोषणा की, जो एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म के लिए अपने ऐप के बीटा संस्करण को रोल आउट कर रही है।

डिजीयात्रा क्या है और यह कैसे काम करेगी?

• डिजीयात्रा में यात्रियों को अपनी पहचान स्थापित करने के लिए चेहरे की विशेषताओं का उपयोग करते हुए कागज रहित और संपर्क रहित प्रसंस्करण के माध्यम से हवाई अड्डे पर विभिन्न चौकियों से गुजरने की परिकल्पना की गई है, जिसे बोर्डिंग पास से जोड़ा जाएगा।
• इस तकनीक के साथ, हवाईअड्डे में प्रवेश, सुरक्षा जांच क्षेत्रों, विमान बोर्डिंग आदि सहित सभी चौकियों पर चेहरे की पहचान प्रणाली के आधार पर यात्रियों के प्रवेश को स्वचालित रूप से संसाधित किया जाएगा।
• परियोजना डिजीयात्रा फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित की जा रही है - एक संयुक्त उद्यम कंपनी जिसके शेयरधारक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (26% हिस्सेदारी) और बेंगलुरु हवाई अड्डे, दिल्ली हवाई अड्डे, हैदराबाद हवाई अड्डे, मुंबई हवाई अड्डे और कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं।
• इन पांच शेयरधारकों के पास शेष 74% शेयर समान रूप से हैं। डिजियात्रा फाउंडेशन यात्री आईडी सत्यापन प्रक्रिया का संरक्षक होगा।

भारत ने पहली खारे पानी की लालटेन का अनावरण किया

सन्दर्भ

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने हाल ही में भारत के पहले खारे पानी के लालटेन का अनावरण किया जो विशेष रूप से डिजाइन किए गए एलईडी लैंप को बिजली देने के लिए समुद्र के पानी का उपयोग करता है।

मुख्य बिंदु

• यह एलईडी लैंप को बिजली देने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए इलेक्ट्रोड के बीच इलेक्ट्रोलाइट के रूप में समुद्री जल का उपयोग करता है।
• खारा जल लालटेन भारत की 7500 किलोमीटर लंबी तटीय रेखा के किनारे रहने वाले मछुआरा समुदाय के लिए "जीवन की सुगमता" लाएगा। खारे पानी से चलने वाली रोशनी एलईडी लैंप भी पीएम-उजाला योजना को बढ़ावा और पूरक बनाएगी।
• महत्व: प्रौद्योगिकी का उपयोग भीतरी इलाकों में किया जा सकता है, जहां समुद्र का पानी उपलब्ध नहीं है, क्योंकि किसी भी खारे पानी या सामान्य नमक के साथ मिश्रित सामान्य पानी का उपयोग रोशनी लालटेन को बिजली देने के लिए किया जा सकता है, जो इसे लागत प्रभावी और संचालित करने के लिए व्यवहार्य बनाता है।

महर्षि अरबिंदो

सन्दर्भ

देश भर के 75 जेलों में महर्षि अरबिंदो की जयंती मनाई गई।

मुख्य बिंदु

• श्री अरबिंदो घोष की 150वीं जयंती मनाने के लिए केंद्र सरकार ने 12 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए।
• इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अरबिंदो घोष के दर्शन और योग और ध्यान के अभ्यास के माध्यम से जेल के कैदियों के जीवन को 'बदलना' है।

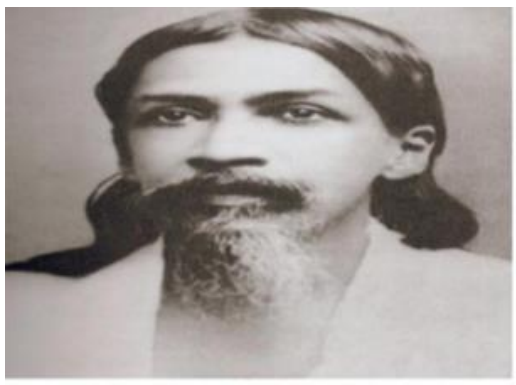

महर्षि अरबिंदो के बारे में:

• वह एक भारतीय दार्शनिक, योग गुरु, महर्षि, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी थे।
• वे वंदे मातरम जैसे समाचार पत्रों का संपादन करने वाले पत्रकार भी थे।
• वह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए भारतीय आंदोलन में शामिल हो गए, 1910 तक इसके प्रभावशाली नेताओं में से एक थे, और फिर एक आध्यात्मिक सुधारक बन गए, मानव प्रगति और आध्यात्मिक विकास पर अपने दृष्टिकोण का परिचय दिया।
• पुडुचेरी में श्री अरबिंदो आश्रम की स्थापना 1926 में हुई थी।

'चीनी' मांझा

सन्दर्भ

हर साल, जैसे-जैसे स्वतंत्रता दिवस नजदीक आता है, दिल्ली की सड़कें 'चीनी' मांझे के कारण होने वाली मौतों और चोटों की गवाह बन जाती हैं।

मुख्य बिंदु

• चीनी मांझा कांच की परत वाली सिंथेटिक डोरी है जिसका इस्तेमाल पतंग उड़ाने के लिए किया जाता है। यह मोनोफिलामेंट मछली पकड़ने की रेखाओं से बना है।
• मोनोफिलामेंट तार घातक होते हैं क्योंकि उन्हें तोड़ना बहुत कठिन होता है।
• वे पॉलिमर को पिघलाकर और मिला कर बनाए जाते हैं और तार बनने के बाद, उन्हें कांच के साथ लेपित किया जाता है। तनी हुई तंग, मोनोफिलामेंट स्ट्रिंग्स में मनुष्यों और जानवरों को समान रूप से घायल करने की क्षमता होती है।
• स्ट्रिंग का नाम भ्रामक है क्योंकि इसे चीन से आयात नहीं किया जाता है, बल्कि इसे घरेलू रूप से उत्पादित किया जाता है। 2017 में, सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिकाकर्ताओं को एनजीटी में जाने के लिए कहने के बाद, उसने नायलॉन या किसी सिंथेटिक सामग्री से बने मांझा पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया।

MCQ, **Current Affairs**, **Daily Pre Pare**